RNI NO. : MAHHIN/1998/02261

महाराष्ट्र क्राईम्स

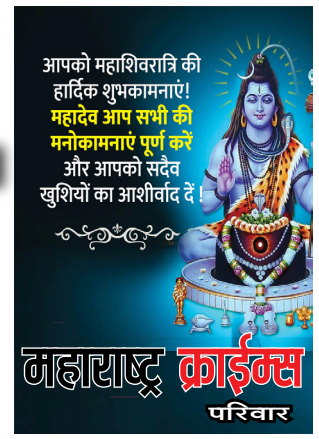

वर्ष 22 | अंक 09 | मुंबई, 05 जुलाई, 2023 | पृष्ठ : 8 | कीमत : 5 रुपये | प्रधान संपादक : सिराज चौधरी

वरिष्ठ पुलिस निरिक्षक शशिकांत चांदेकर और पुलिस उप निरिक्षक योगेश भिमसिंग परदेशी के आशीर्वाद से

सन स्पा मसाज सेंटर में चलाया जा रहा है सेक्स रैकेट!

महाराष्ट्र क्राइम्स संवाददाता

महाराष्ट्र राज्य में जब भी सरकार द्वारा किसी सभा या सांस्कृतीक कार्यक्रम

विवेक पानसरे
पुलिस उपायुक्त

का आयोजन किया जाता है, उस समय नेता या मंत्री द्वारा सरकार के आला अधिकारी द्वारा आम जनता कि हर समय मदद करने का आश्वासन दिया जाता है। ताकी आम जनता किसी जुल्म का शिकार ना हो और समाज में शांती बनी रहें इसी के साथ इन सभी चीजों कि जिम्मेदारी पुलिस विभाग को दी गई है, लेकिन अक्सर देखा गया है कि जब भी कोई अपनी शिकायत को लेकर पुलिस थाने में जाता है तो उसकी शिकायत को दुर्लक्ष कर दिया जाता है. ऐसे में सवाल उठता है कि, अब आम जनता न्याय के लिए किस से शिकायत करे?

आज हम आपको एक ऐसी घटना से अवगत करा रहें है जो कानून का खुलेआम मजाक उड़ा कर पूरे पुलिस महकमें को बदनाम कर रहीं है. देश का चौथा स्तंभ पत्रकारिता ने हर समय समाज में हो रही बुराइयों के खिलाफ आवाज उठाकर प्रशासन को हमेशा सचेत किया है. आप को बता दें कि,

महाराष्ट्र क्राईम्स समाचार पत्र को सूत्रों द्वारा जानकारी मिली थी कि नवी मुंबई में वाशी पुलिस थाने के कार्यक्षेत्र में कुछ ब्युटी पार्लर, मसाज सेंटरों में सेक्स रैकेट चलाया जा रहा है. इस गुप्त जानकारी को लेकर जब जानकारी हासिल की तो कई सच्चाई सामने आ गई. सन स्पा हावरे फंटासिया बिजनेस पार्क, दुकान नं. जी १७४, १७५ सेक्टर ३० ए, वाशी, नवी मुंबई - ४००७०३ यहां स्पा के नाम पर गोसावी नामक व्यक्ती खुलेआम देहव्यापार का धंधा चला रहा है. स्पा व मसाज पार्लरों में आने वाले ग्राहकों को कौन सी बिमारी होती है, इसकी जांच पड़ताल कोई नहीं करता। पता नही कितने ग्राहकों से लड़कियां बिमारियों का शिकार होती है, और उन्हीं लडकियों से कितने युवा एड्स और एचआईवी जैसी प्राणघातक बिमारी का शिकार हो रहें है. इन सभी समस्याओं से भारत एड्स मुक्त करने के लिए सरकार जहां एड्स जैसी घातक बिमारी को लेकर हर साल करोडो रुपये खर्च करती है, वही यह सन स्पा एड्स के प्रसार का केंद्र बन चुका है. इस मामले को लेकर विस्तारपूर्वक शिकायत पत्र को लेकर हमारे संवाददाता ने जब वाशी पुलिस थाने के थाने अंमलदार पोलिस उप-निरिक्षक योगेश भिमसिंग परदेशी से पूछा कि मुझे प्रतिलिपि करना है, तो उन्होंने हमारे पत्र को पढ़ा और वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक के कार्यकक्ष में जाकर उन्हें दिखाया। लगभग २० मिनट तक परदेशी वरिष्ठ पुलिस निरिक्षक शशिकांत चादेकर के कार्यकक्ष में थे। कार्यकक्ष से बाहर निकलने के बाद परदेशी ने फोन किया गया जिस पर सीनियर साहब ने फोन नहीं उठाया। सीनियर साहब के व्हाट्सएप नंबर पर मैसेज किया गया जिसका कोई जवाब खबर लिखे जाने तक प्राप्त नहीं हुआ।

शिकायत पत्र का अपने मोबाईल से फोटो निकालकर शिकायत पत्र बगैर लिए हुए हमारे संवाददाता को जाने को कहा। संवाददात ने जब परदेशी से पूछा मुझे स्टॅम्प मारकर साईन दे दीजिए। इस पर परदेशी ने कहा कि हमारे वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शशिकांत चादेकर ने यह अर्जी स्विकारने के लिए मना किया है। यह सुनकर बडा आश्चर्य हुआ कि पुलिस थाने के वरिष्ठ पोलिस निरीक्षक उनके अधिकारी और कर्मचारीयों को यह आदेश देते हैं कि अवैध धंधो के खिलाफ आने वाली शिकायत को स्विकारा ना जाए। इस खबर की जानकारी वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक के मोबाइल नंबर पर देने हेतु

इससे साफ पता चलता है कि, वाशी पुलिस थाने के अंर्तगत लगभग १८ से २० ऐसे मसाज पार्लर (स्पा) है जो वाशी पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शशिकांत चादेकर के आशीर्वाद से मसाज के नाम पर देहव्यापार का धंदा बेखौफ चल रहा है. जिनका हम इस समाचार पत्र के माध्यम से एक जनजागृती अभियान चलाकर जल्द ही नवी मुंबई पुलिस प्रशासन को इस विषय को लेकर जागृत करने वाले थे लेकिन परदेशी और चादेकर के इस कृत्य ने साफ जाहिर कर दिया कि यह सारे अवैध धंधे इन दोनों की देखरेख में फल फुल रहें है. इस विषय में हमनें नवी मुंबई पुलिस आयुक्त श्री मिलिंद भारंबे, सह पुलिस आयुक्त संजय मोहिते, अप्पर पुलिस आयुक्त दिपक साकोरे, पुलिस उपायुक्त परीमंडल. १) श्री विवेक पानसारे को डाक एवं मेल

शशिकांत चंदरकार
वारिष्ठ पुलिस निरीक्षक

द्वारा लिखीत पत्र देकर इस मामले कि गंभीरता से जांच करें और वरिष्ठ पुलिस निरिक्षक शशिकांत चादेकर और पुलिस उप निरिक्षक योगेश भिमसिंग परदेशी की विभागीय जांच करें और इन दोनों पुलिस अधिकारियों के आशीर्वाद से चलने वाले सन स्पा पर जल्द से जल्द कानूनी कारवाई करने की मांग करते है. **स्थानिक कई लोगो का कहना है कि आजकल पुलिस अधिकारियों ने इस तरह के अवैध मसाज पार्लर में अपना रुपया लगाया है कहीं ऐसा तो नहीं वाशी पुलिस थाने के शशिकांत चांदेकर साहब ने भी इस सन स्पा में रुपया लगाया है? क्या इस पर विभागीय अधिकारी इसकी गहन जांच कर मामले को उजागर करके सन स्पा पर कार्रवाई करके जनता के सामने लाएंगे?**

मुंबई कोर्ट ने 64 साल के आरोपी को सुनाई 20 साल की जेल

मुंबई : बच्चे अपनी कम उम्र और शारीरिक कमजोरियों के कारण आसानी से यौन शोषण का शिकार होते हैं। ऐसे मामले आरोपियों की ह्यअमानवीय मानसिकताह्न को पेश करते हैं। मुंबई की एक अदालत ने एक नाबालिग लड़की के साथ हुए यौन उत्पीड़न के मामले की सुनवाई के दौरान ये टिप्पणी की है। साथ ही कोर्ट ने 64 साल के एक आरोपी को 20 साल कैद की सजा भी सुनाई है।

घटना नवंबर 2019 की है, जब 8 साल की पीड़िता आरोपी के घर उसकी पोती के साथ खेलने गई थी। बाद में आरोपी की पोती पास की एक दुकान में चली गई और इसी का फायदा उठाते हुए आरोपी ने पीड़िता का यौन उत्पीड़न किया। जब पीड़िता घर लौटी तो उसने पूरी घटना की जानकारी अपनी मां को दी, जिसके बाद माता-पिता ने बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) पुलिस स्टेशन में आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम के तहत मामलों की सुनवाई कर रही विशेष न्यायाधीश प्रिया बैंकर ने 3 जुलाई को आरोपी को नाबालिग के यौन उत्पीड़न का दोषी ठहराया। जज

ने अपने आदेश में कहा कि बच्चों के खिलाफ यौन अपराध के मामलों में वृद्धि हुई है। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि बाल यौन शोषण के मामले आरोपियों की अमानवीय मानसिकता को पेश करते हैं। बच्चे अपनी कम उम्र, शारीरिक कमजोरियों, जीवन और समाज की अनुभवहीनता के कारण यौन शोषण का आसानी से शिकार होते हैं। वर्तमान मामले में, पीड़ित लड़की, उसके परिवार और यहां तक कि समाज पर ह्यबहुत प्रतिकूल प्रभावह्न पड़ा है। अब उनकी धारणा यह बन गई है कि घर और आस-पास का इलाका बच्चों के लिए बिल्कुल भी सुरक्षित नहीं है। इससे समाज में चिंताजनक स्थिति पैदा हो रही है। अदालत ने कहा कि यह घटना नाबालिग पीड़िता के मानसिक स्वास्थ्य और भविष्य पर असर डालने वाली है क्योंकि वह इसे भूलने की स्थिति में नहीं होगी। निश्चित रूप से इस तरह की घटना लोगों के मन में

बच्चों का यौन शोषण आरोपियों की अमानवीय मानसिकता

दहशत पैदा करती है और पीड़ित के मन पर लंबे समय तक घाव छोड़ जाती है। अदालत ने नाबालिग लड़की पर यौन उत्पीड़न के अभियोजन पक्ष के मामले का समर्थन करते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष के गवाहों के साक्ष्यों पर अविश्वास करने का कोई कारण नहीं है और रिकॉर्ड पर ऐसा कुछ भी नहीं था जो यह दर्शाता हो कि आरोपी को झूठा फंसाया गया है।

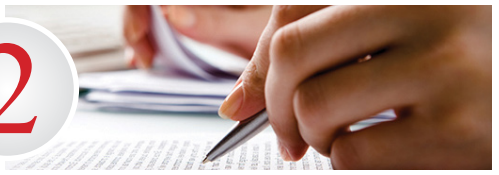

संपादकीय

समान नागरिक संहिता

कुछ विपक्षी दलों ने समान नागरिक संहिता पर जिस तरह सकारात्मक और तार्किक रवैया अपना लिया है, उससे कांग्रेस की दुविधा बढ़ जाना स्वाभाविक है। उसे इस दुविधा का परित्याग करने की आवश्यकता है, न कि अपने रवैये पर अड़े रहने की। ऐसा इसलिए, क्योंकि कई विपक्षी नेताओं के साथ कांग्रेस के भी कुछ नेता समान नागरिक संहिता को समय की मांग बता रहे हैं। कांग्रेस को वोट बैंक की सस्ती राजनीति के कारण वैसी कोई भूल करने से बचना चाहिए, जैसी उसने शाहबानो मामले में की थी। इसकी कीमत केवल उसे ही नहीं, देश को भी चुकानी पड़ी।

यदि शाहबानो मामले में राजीव गांधी की सरकार कट्टरपंथी तत्वों के आगे झुकने के बजाय संविधानसम्मत फैसला करती और सुप्रीम कोर्ट के फैसले के साथ खड़ी होती तो आज स्थिति दूसरी होती-न केवल उसकी, बल्कि भारतीय समाज की भी। देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस को यह स्मरण रखना चाहिए कि राजनीतिक दलों का एक प्रमुख काम जनता को दिशा देना और समाज सुधार के काम करना भी होता है। एक समय था, जब कांग्रेस एक राजनीतिक दल के रूप में समाज सुधार के कामों पर भी ध्यान देती थी, लेकिन धीरे-धीरे उसने सामाजिक सुधारों से मुंह मोड़ लिया और केवल वोट बैंक की राजनीति करनी शुरू दी। समान नागरिक संहिता के मामले में यदि विपक्षी दलों के साथ-साथ कांग्रेस के पास कहने को कुछ है तो केवल यही कि आखिर उसकी पहल इसी समय क्यों की जा रही है? यह कुछ वैसा ही कुतर्क है, जैसा अयोध्या मामले में सुप्रीम कोर्ट के समक्ष दिया गया था। तब यह कहा गया था कि इस मामले की सुनवाई आम चुनाव के बाद की जानी चाहिए। समान नागरिक संहिता की पहल इसी समय क्यों, यह कोई सवाल नहीं हुआ। क्या कांग्रेस या फिर अन्य विपक्षी दल यह बता सकते हैं कि इस संहिता की पहल के लिए कौन सा समय उपयुक्त होता? यह प्रश्न इसलिए, क्योंकि जो काम दशकों पहले हो जाना चाहिए था, वह अभी भी लंबित है।

समान नागरिक संहिता का निर्माण लंबित रहना एक तरह से संविधान निमार्ताओं के सपनों को जानबूझकर न पूरा करना है। कांग्रेस को इसकी अनदेखी नहीं करनी चाहिए कि जवाहरलाल नेहरू ने तमाम विरोध के बाद भी हिंदू कोड बिल के मामले में किस तरह दृढ़ रवैया अपनाया था। समान नागरिक संहिता के मामले में विरोध के लिए विरोध वाली राजनीति करने से बेहतर है कि उस पर सकारात्मक दृष्टिकोण से विचार किया जाए। माना जा रहा है कि संसद के आगामी सत्र में सरकार समान नागरिक संहिता का विधेयक लेकर आ सकती है। ऐसा हो या न हो, सभी दलों के लिए उचित यही होगा कि संसद के मानसून सत्र में उस पर व्यापक बहस हो। आखिर जब जनता के बीच उस पर बहस हो रही है तो फिर संसद में क्यों नहीं होनी चाहिए?

विपक्षी एकता के लिए भी एक बुरी खबर

अजीत पवार के नेतृत्व में बगावत न केवल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार के लिए एक बड़ा झटका है, बल्कि महाविकास आघाड़ी के लिए भी यह विपक्षी एकता के लिए भी एक बुरी खबर है। ध्यान रहे कि महाराष्ट्र में उत्तर

प्रदेश के बाद सबसे अधिक लोकसभा सीटें हैं। अजीत पवार इसके पहले भी चाचा शरद पवार से विद्रोह करके भाजपा के साथ गए थे और गुपचुप तरीके से उप मुख्यमंत्री पद की शपथ भी ली थी, लेकिन किन्हीं कारणों से चंद घंटों के अंदर ही वापस लौट गए थे। इस बार इसके कोई आसार नहीं, क्योंकि उनके साथ राकांपा के कई अन्य विधायकों ने भी शिंदे सरकार में मंत्री के रूप में शपथ ले ली है। इसके अतिरिक्त उप मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले अजीत पवार दावा कर रहे हैं कि वह असली राकांपा हैं और उनके साथ अधिसंख्य विधायक हैं।

अजीत पवार ने शरद पवार के साथ वही किया, जो एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे के साथ किया था। भले ही शरद पवार अपनी पार्टी को फिर से खड़ा करने का दम भरें, लेकिन अब इसकी संभावना बहुत क्षीण है, क्योंकि एक तो उनकी उम्र हो गई है और दूसरे वह पुत्री मोह से ग्रस्त हैं। अजीत पवार चुप नहीं बैठेंगे, इसका आभास उन्हें उसी दिन हो जाना चाहिए था, जिस दिन उन्होंने बेटी सुप्रिया सुले को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बना दिया था। ऐसा करके उन्होंने अजीत पवार को किनारे करने का ही काम किया था। राकांपा में फूट कोई नई-अनोखी बात नहीं। परिवारवादी दलों में ऐसा होता ही रहता है। पार्टी विशेष के प्रमुख अपने बेटे-बेटियों को जब आवश्यकता से अधिक प्राथमिकता देते हैं तो कई बार निकट संबंधी ही उनके खिलाफ विद्रोह कर देते हैं। महाराष्ट्र में ही बाला साहब ठाकरे के भतीजे राज ठाकरे ने इसीलिए बगावत की थी, क्योंकि उन्होंने बेटे उद्धव ठाकरे को पार्टी की बागडोर सौंपने का फैसला कर लिया था। एक समय समाजवादी पार्टी में शिवपाल यादव भी अलग राह पर चलने के लिए विवश हुए थे। तेलुगु देसम पार्टी में भी ऐसा हो चुका है। चंद्रबाबू नायडू ने ससुर एनटी रामाराव का तख्ता पलट दिया था। परिवारवादी दलों में केवल निकट संबंधी ही विद्रोह नहीं करते। कई बार परिवार के बाहर के नेता भी अलग राह पर चल निकलते हैं, क्योंकि पार्टी पर परिवार के लोगों के वर्चस्व के चलते उन्हें अपना भविष्य अंधकार में दिखने लगता है। इसका एक उदाहरण एकनाथ शिंदे हैं। परिवारवादी दलों में टूट-फूट केवल इसलिए नहीं होती कि उनके मुखिया बेटे-बेटियों की योग्यता और क्षमता की अनदेखी कर उन्हें आगे बढ़ाते हैं, बल्कि इसलिए भी होती है, क्योंकि वे प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की तरह चलते हैं। इसके अलावा राजनीतिक मूल्य और सिद्धांत उनके लिए दिखावे की चीजें होती हैं। वे जनहित और देशहित की आड़ लेकर किसी भी पाले में खुशी-खुशी खिसक जाते हैं।

गंभीर सवाल

बंगाल के बांकुड़ा जिले में एक मालगाड़ी ने दूसरी मालगाड़ी को जिस तरह टक्कर मारी, वह इसलिए गंभीर मामला है, क्योंकि इसी तरह ओडिशा के बालेश्वर में भीषण हादसा हुआ था, जिसमें करीब तीन सौ यात्री मारे गए थे। यह ठीक है कि बांकुड़ा जिले की दुर्घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन यह सामान्य बात नहीं कि 25 दिनों के अंदर उसी तरह दो ट्रेनें टकरा गईं, जैसे बालेश्वर में टकराई थीं और जिन्होंने ट्रेनों के सुरक्षित संचालन पर गंभीर सवाल खड़े किए थे। यह गनीमत रही कि बांकुड़ा में दो मालगाड़ियां टकराईं। यदि इनमें से कोई यात्री ट्रेन होती तो अनर्थ हो सकता था, क्योंकि टक्कर बहुत भीषण थी। इस टक्कर में एक मालगाड़ी का इंजन दूसरी पर चढ़ गया और कई डिब्बे पलट गए। इस दुर्घटना के कारण कुछ घंटों के लिए ट्रेनों का परिचालन रोकना पड़ा और कई यात्री ट्रेनों को रद करना पड़ा या फिर उनका मार्ग बदलना पड़ा। इससे हजारों यात्रियों को परेशानी हुई। यह सहज समझा जा सकता है कि इस दुर्घटना से लोगों के मन में ट्रेनों के सुरक्षित संचालन को लेकर सवाल उठे होंगे। बांकुड़ा की दुर्घटना के बारे में यह बताया जा रहा है कि एक मालगाड़ी का ड्राइवर संभवतः इसलिए सिग्नल नहीं देख पाया, क्योंकि उसे नींद आ गई थी। वस्तुस्थिति जो भी हो और दुर्घटना का कारण चाहे तकनीकी खामी हो या फिर मानवीय लापरवाही, उसकी तह तक जाना चाहिए। उन कारणों का प्राथमिकता के आधार पर निवारण होना ही चाहिए, जिनके चलते रह-रह कर ट्रेन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। आम तौर पर छोटी-मोटी ट्रेन दुर्घटनाएं, जिनमें जनहानि नहीं होती, चर्चा और चिंता का कारण नहीं बन पातीं, लेकिन अब समय आ गया है कि प्रत्येक छोटी से छोटी दुर्घटना को गंभीरता से लिया जाए। इससे ही ट्रेनों के सुरक्षित संचालन को सुनिश्चित किया जा सकता है। यह सही है कि पिछले कुछ समय में ट्रेन दुर्घटनाएं कम हुई हैं, लेकिन यह शुभ संकेत नहीं कि एक जैसे कारणों से बार-बार हादसे होते रहते हैं। ट्रेन दुर्घटनाओं को रोकने के लिए उन्नत तकनीक का उपयोग बढ़ाने के साथ मानवीय भूल की गुंजाइश को कम करना होगा। ध्यान रहे कई बार मानवीय भूल सतर्कता के अभाव का परिणाम होती है। ट्रेन दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जिस कवच प्रणाली को प्रभावी माना जा रहा है, वह अभी समूचे रेल नेटवर्क के केवल दो प्रतिशत हिस्से में ही लागू हो सकी है। साफ है कि उसका दायरा तेजी से बढ़ाना होगा। इसके साथ ही ट्रेन हादसों को रोकने के अन्य उपाय भी करने होंगे, क्योंकि कवच प्रणाली हर तरह की दुर्घटनाओं को रोकने में सहायक नहीं। ट्रेन दुर्घटनाओं को रोकने के मामले में हमें जापान सरीखे देशों से भी सीख लेने के लिए तत्पर रहना चाहिए, जहां ट्रेन हादसे न के बराबर होते हैं।

25 दिनों के अंदर उसी तरह दो ट्रेनें टकरा गईं, जैसे बालेश्वर में टकराई थीं और जिन्होंने ट्रेनों के सुरक्षित संचालन पर गंभीर सवाल खड़े किए थे। यह गनीमत रही कि बांकुड़ा में दो मालगाड़ियां टकराईं। यदि इनमें से कोई यात्री ट्रेन होती तो अनर्थ हो सकता था, क्योंकि टक्कर बहुत भीषण थी। इस टक्कर में एक मालगाड़ी का इंजन दूसरी पर चढ़ गया और कई डिब्बे पलट गए।

रेलवे में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी

मुंबई में हुआ मेडिकल, ट्रेनिंग के लिए ठगों ने 3 युवकों को भेजा उत्तर प्रदेश

संवाददाता

देश में सरकारी नौकरियों के प्रति युवाओं में आकर्षण कितना है इस बात का अंदाजा ऐसे लगाया जा सकता है कि 70 दशक के बावजूद भी सरकारी नौकरियों के प्रति छात्रों

का लगाव अब अब भी कायम है। बेरोजगारों को ठगने वाले ऐसे ही बेरोजगार युवकों की तलाश में रहते हैं। जहां मौका पाते ही हुए उन्हें अपने जाल में फंसा कर उनसे पैसे ले लेते हैं। ऐसा ही एक मामला मुंबई में प्रकाश में आया है जहां पर ठगो ने 3 युवकों को फर्जी रेलवे में टीसी का नियुक्ति पत्र दे दिया बकायदा उनका मेडिकल कराया और ट्रेनिंग के लिए उत्तर प्रदेश भी भेजा। मिली जानकारी के अनुसार मुंबई में तीन युवकों को एक फर्जी अधिकारी और उसके साथियों ने खुद को रेलवे का वरिष्ठ अधिकारी बताकर ठग लिया। इस मामले में एक शख्स से 11 लाख की रंगदारी मांगी गई है और उसकी शिकायत पर मरीन ड्राइव पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है. नौकरी पाने के लिए आरोपियों ने भायखला के एक अस्पताल में इन युवाओं की मेडिकल जांच कराई और प्रशिक्षण के लिए उत्तर प्रदेश भी ले गए।

आम नागरिकों के बीच सरकारी नौकरियों का आकर्षण अभी भी बना हुआ है। चर्चगेट के एक सरकारी हॉस्टल में काम करने वाले एक सैनिक के बेटे को नौकरी की जरूरत थी। इसी हॉस्टल के एक युवक को हाल ही में रेलवे में टीसी के पद पर नौकरी मिली थी। उन्होंने कहा कि उनके परिचित एक व्यक्ति ने कई लोगों को नौकरी पर रखा है. तो सिपाही और उसके बेटे ने भी इसकी तैयारी कर ली. इस व्यक्ति ने, जो रेलवे में अधिकारी है, कहा कि पन्द्रह लाख रुपए लगेंगे। अन्य कोई रकम न होने पर समझौते के अंत में 13 लाख 50 हजार देने की बात तय हुई। इसके अनुसार इस व्यक्ति और उसके तीन अन्य साथियों ने सैनिक के बेटे के दस्तावेज ले लिए। थोड़ा-थोड़ा करके पैसे लेने लगा. कुछ दिन बाद रेलवे में टीसी पद का नियुक्ति पत्र दे दिया गया। उन्हें बायकुला के रेलवे अस्पताल ले जाया गया और उनकी मेडिकल जांच की गई। मेडिकल जांच में ठीक होने की रिपोर्ट देने पर सिपाही से साढ़े तेरह लाख रुपये ले लिए गए। मेडिकल परीक्षण के बाद सिपाही के बेटे को ट्रेनिंग के लिए उत्तर प्रदेश भेजा गया. वहां एक होटल में उनके रहने की व्यवस्था की गई। उन्हें बताया गया कि दो दिन बाद रेलवे अधिकारियों का फोन आएगा और उन्हें ट्रेनिंग के लिए ले जाया जाएगा. इस वक्त इस लड़के के साथ दो अन्य युवक भी यहीं रह रहे थे. दो-चार दिन नहीं, पंद्रह दिन तक कोई नहीं हिला। उस वक्त उन्हें एहसास हुआ कि उनके साथ धोखा हुआ है.

सिपाही ने फर्जी अधिकारी और उसके साथियों से कहा, पैसे वापस दे दो। दो से ढाई लाख की रकम अदा की गई और फिर उन्होंने चालें चलनी शुरू कर दीं। पुलिस के पास जाने की बात कहकर उसने 11 लाख का चेक दिया, लेकिन वह भी बाउंस हो गया। आखिरकार कॉन्स्टेबल ने मामले की शिकायत मरीन ड्राइव पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई।

टिकटों को ऐप के इश्यूड टिकट सेक्शन से ही दिखाएं

टिकटों की जालसाजी रोकने के लिए पश्चिम रेल प्रशासन ने यात्रियों से की अपील: पश्चिम रेल

मुंबई : टिकट चेकिंग स्टाफ द्वारा जालसाजी के कुछ मामलों का पता लगाने के बाद पश्चिम रेल प्रशासन ने अब उन यात्रियों से जो यूटीएस ऐप से टिकट निकालते हैं, उनसे अपील की है कि वे टिकटों को ऐप के इश्यूड टिकट सेक्शन से ही दिखाएं। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित ठाकुर ने बताया कि इस डिजिटल युग में अधिकतम यात्रियों ने टिकटों की बुकिंग के लिए यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप का विकल्प चुना है। हालाँकि, हाल ही में टिकट चेकिंग स्टाफ द्वारा जालसाजी के कुछ मामलों का पता लगाया गया था, जिनमें एसी ईएमयू ट्रेन के लिए जाली मासिक सीजन टिकटों की पहचान की गई थी। इस तरह की धोखाधड़ी को रोकने और ऐसे जालसाजी मामलों पर नजर रखने के लिए पश्चिम रेल ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे रेलवे के साथ सहयोग करें और यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप के माध्यम से बनाए

गए अपने टिकट को केवल यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप के इश्यूड टिकट सेक्शन में ही दिखाएं। अन्य कोई भी माध्यम अमान्य माना जायेगा।

यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप फायदे ही फायदे

सेल्फ टिकटिंग को बढ़ावा देने के लिए रेलवे ने यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप लांच किया है। इस ऐप का उपयोग कर सामान्य श्रेणी की यात्रा करने वाले यात्री घर बैठे ही या स्टेशन पहुंचने तक अपना टिकट ऑनलाइन खरीद सकते हैं। रेलवे ने इसके अनगिनत फायदे गिनाए हैं। ठाकुर के अनुसार, ऐप से टिकट निकालने के लिए यात्रियों को कतार में खड़े होने की जरूरत नहीं है। यह कैशलेस और पेपरलेस लेनदेन को सक्षम बनाता है और इससे सभी अनारक्षित यात्रा टिकट, सीजन टिकट और प्लेटफार्म टिकट बुक किए जा सकते हैं। इसके साथ ही यह त्वरित बुकिंग विकल्प से लैस है और इसके अतिरिक्त यह पेपरलेस और पेपर टिकट दोनों के विकल्प (एटीवीएम या बुकिंग विंडो के माध्यम से) उपलब्ध है। टिकट का भुगतान आसानी से इनबिल्ट आर-वॉलेट या डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, यूपीआई आदि का उपयोग करके भुगतान गेटवे के माध्यम से किया जा सकता है। आर-वॉलेट के रिचार्ज पर बोनस मिलता है सो अलग। ठाकुर ने बताया कि सरकार की 'डिजिटल इंडिया' पहल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारतीय रेल द्वारा यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप लॉन्च की गई थी।

समंदर से मिलेगी मुंबईकरों को चौथी लाइफ लाइन !

लोकल, बेस्ट बस और मेट्रो के बाद अब वॉटर ट्रांसपोर्ट पर फोकस...

- समंदर से मिलेगी मुंबईकरों को चौथी लाइफ लाइन
- लोकल, बस, मेट्रो के बाद अब वॉटर ट्रांसपोर्ट पर फोकस
- बेलापुर और ठाणे में समंदर के किनारे बनेगा यात्री टर्मिनल

मुंबईः लोकल ट्रेनें न होतीं, तो ये शहर कभी देश की आर्थिक राजधानी न बनता। बेस्ट की बसें न होती, तो लोकल से उतरने के बाद मुंबईकर वक्त पर दफ्तर या घर नहीं पहुंचते। पिछले कुछ सालों में मुंबई की ये दोनों लाइफ लाइन का लोड बढ़ा, तो मेट्रो का जाल बिछाना शुरू किया गया, जो मुंबईकरों के लिए तीसरी लाइफ लाइन का काम करेगी। अब सरकार ने चौथी लाइफ लाइन पर काम करना शुरू कर दिया क्योंकि सात द्वीपों को जोड़कर बने इस शहर का संकट समंदर

से ही हल होगा। मुंबई, ठाणे और नवी मुंबई को मिलाकर बने मुंबई मेट्रोपोलिटन रीजन को जोड़ने के लिए सरकार ने बेलापुर (नवी मुंबई) और घोडबंदर (ठाणे) में वॉटर टर्मिनल बनाने का फैसला लिया है।

कैसे बचेगा समय?

मुंबई के पुराने ट्रांसपोर्ट सिस्टम का लोड बहुत बढ़ गया है। आम लोगों के लिए अब भी लोकल ट्रेनें पहली पसंद है, लेकिन इसके अलावा सड़क मार्ग को विकसित करने में सरकार नाकाम रही है। ठाणे का घोडबंदर रोड हो या मुंबई की सड़कें, यहां बारिश में गड्ढों की तस्वीरों ने सरकार का सिरदर्द बढ़ा दिया है। ऐसे में, वॉटर ट्रांसपोर्ट को विकसित करना ही एक विकल्प बचा है। लोकल ट्रेन से भी ठाणे या बेलापुर पहुंच ने के लिए एक से डेढ़ घंटा लगता है, जबकि जलमार्ग से ये रास्ता 30 मिनट में पूरा हो सकता है। फिलहाल, बेलापुर से ऐलिफेंटा के लिए वॉटर टैक्सी चल रही है, लेकिन इसका पूरा लाभ तभी मिलेगा, जब और जगहों पर वॉटर टर्मिनल विकसित किए जाएं।

एक साल में तैयार होगा ठाणे टर्मिनल

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के क्षेत्र में जेट्टी और यात्री टर्मिनल इमारत एक साल में तैयार हो जाएगी। ठाणे के घोड़बंदर रोड पर जेट्टी पार्किंग और टर्मिनल इमारत के निर्माण पर करीब 3.92 करोड़ रुपये खर्च होंगे। पिछले कुछ सालों में ठाणे का तेजी से विकास हुआ है। घोड़बंदर रोड के करीब रहने वालों की संख्या में कई गुना इजाफा हुआ है। यहां लोगों को ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में सरकार नया विकल्प उपलब्ध करवाने की योजना तैयार की है।

टर्मिनल पर होंगी तमाम यात्री सुविधाएं

MMB के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, बेलापुर में ग्राउंग प्लस एक मंजिला यात्री टर्मिनल तैयार किया जाएगा। यहां वेटिंग रूम, टिकट काउंटर, रेस्ट रूम होगा। टर्मिनल की पहली मंजिल पर ऑफिस होंगे। बेलापुर में यात्री टर्मिनल समेत अन्य सुविधा के निर्माण पर करीब 6.09 करोड़ रुपये खर्च होंगे। ठेकेदार को बेलापुर यात्री टर्मिनल का निर्माण कार्य 18 महीने में पूरा करना होगा। बेलापुर में जेट्टी का निर्माण पहले ही हो चुका है, लेकिन अन्य सुविधा उपलब्ध नहीं होने के कारण दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

डेढ़ साल में तैयार होंगे टर्मिनल

वॉटर ट्रांसपोर्ट को बढ़ावा देने के लिए महाराष्ट्र मेरी टाइम बोर्ड ने ठाणे के घोड़बंदर रोड और नवी मुंबई के बेलापुर मे जेट्टी पार्किंग और यात्री टर्मिनल तैयार करने का निर्णय लिया है। इसे काम को डेढ़ साल में पूरा करने का दावा किया जा रहा है। टर्मिनल के निर्माण के लिए टटइ ने कॉन्ट्रैक्टर की तलाश शुरू कर दी है। इन दो स्थानों पर पैसेंजर टर्मिनल, जेट्टी पार्किंग समेत अन्य सुविधा के निर्माण पर करीब 10 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

महाराष्ट्र क्राईम्स
मुंबई, 05 जुलाई, 2023

संवेदनशील संस्थानों में काम कर रहे अधिकारियों को हनीट्रैप में फसाने की कोशिश

खुफिया एजेंसी ने जारी किया अलर्ट

मुंबई : पाकिस्तान के कई शहरों में आईएसआई ने कॉल सेंटर बनाए हैं। इसके जरिए हिंदुस्थान में संवेदनशील संस्थानों में काम कर रहे अधिकारियों को हनीट्रैप में फंसाने के लिए सैकड़ों की संख्या में लड़कियों को भर्ती किया गया है। जानकारी के मुताबिक, पाकिस्तान के लाहौर, रावलपिंडी कराची और इस्लामाबाद जैसे शहरों में कॉल सेंटर ऑपरेट किए जा रहे हैं।

देश की खुफिया एजेंसियों ने पिछले महीने ही खुलासा किया था कि कराची के कॉल सेंटर से फर्जी कॉल कराकर हिंदुस्थानी सुरक्षाबलों को हनीट्रैप के जाल में फंसाने की साजिश रची जा रही है। आईएसआई हिंदुस्थानी रक्षा संस्थाओं से जुड़े अधिकारियों और जवानों को हनीट्रैप में फंसाने के लिए अपने ऑपरेशन में तेजी लाई है। पिछले दिनों डीआरडीओ के एक साइंटिस्ट की हनीट्रैप के आरोप में हुई गिरफ्तारी के बाद खुफिया एजेंसियों ने यह बड़ा खुलासा किया था। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई अब यूपी पुलिस को टारगेट कर रही है। हिंदुस्थानी खुफिया एजेंसियों ने इसकी भनक लगते ही अलर्ट जारी कर दिया है।आईएसआई की विंग पीआईओ इस काम को अंजाम दे रही है। इसके तहत यूपी पुलिस के अफसरों और उनके परिवारों को हनी ट्रैप में फसाने की कोशिश की जा रही है।

मिली जानकारी के अनुसार इंटेलिजेंस मुख्यालय ने इस संबंध में सभी पुलिस कमिश्नर, जिलों के एसपी, आईजी रेंज, एडीजी जोन के साथ-साथ पुलिस विंग के सभी चीफ को पत्र भेजकर अलर्ट कर दिया है। पत्र में बताया गया है कि हिंदुस्थानी मोबाइल नंबरों से सुंदर महिलाओं की तस्वीरों का इस्तेमाल कर सोशल मीडिया प्रोफाइल बनाकर अफसर और उनके परिवारों को फंसाने की कोशिश की जा रही है। इसके बाद उनसे देश की सुरक्षा से जुड़ी गोपनीय जानकारी जुटाने की कोशिश हो रही है। इसलिए सभी अधिकारी अपनी यूनिट के कर्मचारियों को हनीट्रैप को लेकर अलर्ट करें। जानकारी के मुताबिक स्पाइवेयर लिंक के जरिए इन्फेक्टेड फाइल भेजकर डाटा हैकिंग की जा रही है। सोशल मीडिया पर बिना जान पहचान वाले लोगों से संपर्क को लेकर अफसरों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए

मुंबई अमदाबाद हाइवे:

पुल पर गड्ढे तो अतिक्रमण से हाइवे पर घुटनों तक जलजमाव

मुंबई : मुंबई अमदाबाद हाइवे पर वसई के पास बना नया पुल और वहां अतिक्रमण है, जिसका खामियाजा यहां से गुजरने वाले वाहनधारकों को भुगतना पड़ रहा है। एक दिन पहले हुई जोरदार बारिश में वाहनधारकों को जहां वसई के नए पुल पर बड़े पैमाने पर गड्ढों का सामना करना पड़ा तो वहीं इस पुल से चिंचोटी तक सड़क पर घुटना भर पानी जमा होने से पूरा मार्ग चार घंटे तक जाम रहा। लोगों को आने-जाने में बड़ी दिक्कत हुई। जिसे लेकर लोगों में सरकार और एनएचएआई के अधिकारियों के खिलाफ आक्रोश है। लोगों ने भारी नाराजगी जताते हुए कहा कि भ्रष्ट सरकार के भ्रष्ट अधिकारियों की करतूत की सजा आम जनता को क्यों मिल रही है।

बता दें कि वसई पुल से चिंचोटी तक दोनों तरफ अतिक्रमण शुरू है। यहां बड़े पैमाने पर मिट्टी पाटी जा रही है। सड़क के दोनों तरफ ऊंचे-ऊंचे टीले बना दिए गए हैं, जिसकी वजह से यहां हाइवे से पानी की निकासी नहीं हो पाई और यहां लगभग ४ किमी तक हाइवे नदी में तब्दील हो गया था। इसके कारण वाहनों की आवाजाही ठप हो गई। लोग चार घंटे से अधिक समय तक फंसे रहे। इस बीच एनएचएआई के अधिकारी अन्य कोई भी मदद अथवा राहत कार्य के लिए नजर नहीं आया। उधर वसई पुल को २४७ करोड़ रुपए खर्च कर चंद महीने पहले बनाया गया है। इस पर पहले ही मानसून में काफी गड्ढे बन गए हैं। हालांकि, एनएचएआई लीपापोती करते हुए उन गड्ढों की मरम्मत में लग गई है, लेकिन वह भी ठीक-ठाक से नहीं हो रहा है। निकृष्ट दर्जे की इस सड़क को लेकर यात्रियों, कार्यकताओं और राजनेताओं ने मांग की है कि २४७ करोड़ रुपए की परियोजना के लिए नियुक्त एनएचएआई अधिकारियों को भी दंडित किया जाए तो हाइवे के आस-पास अतिक्रमण को भी हटाया जाए।

4082 घरो की निकली है लॉटरी

म्हाडा घरो के लिए आए एक लाख से अधिक आवेदन

आवेदन करने की 10 जुलाई है अंतिम तिथि

मुंबई : म्हाडा मुंबई हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट बोर्ड द्वारा 4082 घरो के लिए निकाली गई लॉटरी में सोमवार तक एक लाख से अधिक लोगो ने घर पाने के लिए आवेदन कर दिए है। जबकि 73151 आवेदकों ने अनामत जमा राशि का भी भुगतान कर दिया है। मुंबई में घरों का सपना संजोए लोग 10 जुलाई तक आवेदन कर सकेंगे। म्हाडा मुंबई मंडल ने 22 मई 2023 को 4082 घरो की लॉटरी निकाली। म्हाडा द्वारा निकाली गई लॉटरी में अत्यल्प उत्पन्न के लिए 843 घर ,अल्प उत्पन्न के लिए 1034 घर,मध्यम उत्पन्न के लिए 138 घर और उच्च उत्पन्न के लिए 120 घर सहित प्रधान मंत्री आवास योजना के तहत कुल 1947 घरों सहित 4082 की लॉटरी निकाली गई। मुंबई बोर्ड ने हाल ही में नागरिकों के और अधिक सहभाग होने और घरो का सपना सजोए लोगो को उनके सपने को पूरा करने के लिए आवेदन करने की तारीख पहले ही 10 जुलाई तक बढ़ा दी है। आवेदक 10 जुलाई को शाम 06.00 बजे तक ऑनलाइन आवेदन जमा कर सकते हैं और रात 11.59 बजे तक जमा राशि का ऑनलाइन भुगतान (o»»fli»»fe pÔyme»»ft) कर सकते हैं। इसके अलावा आवेदक 12 जुलाई 2023 को संबंधित बैंक के कार्यालय समय तक जमा राशि का भुगतान आरटीजीएस/एनईएफटी के माध्यम से कर सकते हैं। म्हाडा 17 जुलाई को दोपहर 3 बजे आवेदनों की ड्राफ्ट सूची म्हाडा की वेबसाइट https://housi»»fg.mhÔdÔ.gov.i»»f पर जारी करेगी। ड्राफ्ट सूची पर लोग 19 जुलाई तक ऑनलाइन दावा-आवेदन दाखिल कर सकेंगे। आवेदनों की अंतिम सूची 24 जुलाई को दोपहर 3 बजे म्हाडा वेबसाइट पर जारी कर दी जाएगी।लॉटरी जुलाई के आखिरी सप्ताह अथवा अगस्त महीने में होगी।मुंबई बोर्ड ने आवेदकों से मार्गदर्शन के लिए हेल्पलाइन नंबर 022-69468100 पर संपर्क करने

बोरीवली स्टेशन पर बन रहे स्काईवॉक का बढ़ा खर्च

85 करोड़ पंहुचा खर्च...

मुंबई : बोरीवली स्टेशन (पूर्व) से ओंकारेश्वर मंदिर तक महात्मा गांधी रोड पर बनने वाले स्काईवॉक का खर्च बढ़ गया है। मनपा इसके पहले बांद्रा स्थित बनने वाले स्काईवाक का खर्च बढ़ाया था। मनपा ने बोरीवली में बनने वाले स्काईवॉक का ठेका लगभग 75 करोड़ का दिया था जिसमे अब 13 करोड़ की बढ़ोत्तरी होने की जानकारी देते हुए कुल खर्च 88 करोड़ पहुंचा दिया है। बोरीवली स्काईवॉक निर्माण के लिए मनपा ने 74,97,92,538 रूपए का ठेका एपीआई सिविलकॉन प्रा. लि. को दिया था। ठेकेदार को मानसून को छोड़कर 36 माह में स्काईवॉक तैयार करना था। स्काईवॉक निर्माण के दौरान श्रीकृष्ण नगर ब्रिज का एक हिस्सा ढह गया. जब ब्रिज का निरीक्षण किया गया तो पता चला कि ब्रिज जर्जर हो चुका है.मनपा सहायक आयुक्त 'आर/सेंट्रल' वार्ड द्वारा ब्रिज को तुरंत यातायात के लिए बंद कर दिया गया। यह ब्रिज अभिनव नगर, श्रीकृष्ण नगर और वेस्टर्न एक्सप्रेस-वे को जोड़ने वाला एकमात्र ब्रिज है. जिसके चलते स्थानीय प्रतिनिधियों और नागरिकों ने उक्त ब्रिज का तत्काल पुनर्निर्माण किए जाने की मांग रखी। स्काईवॉक के निर्माण में कई बदलाव किए गए जिसके चलते स्काईवॉक के निर्माण खर्च की लागत 13 करोड़ रुपए बढ़ गई है. नए प्रस्ताव के अनुसार अतिरिक्त कार्यों के कारण मूल कार्य का दायरा बढ़ गया है। मूल कार्य के साथ अतिरिक्त कार्य कराना आवश्यक होने के कारण मनपा अब पहले से तय कीमत 74,97,92,538 रुपये से बढ़कर 8593.29.631 रुपये की मंजूरी दी है। नशेड़ियों, भिखारियों का अड्डा बने है स्काईवॉक मुंबई में कुल 36 स्काईवॉक बनाए गए हैं। इनमें से कई स्काईवॉक ऐसे हैं जिनकी उपयोगिता ही नहीं है। स्काईवॉक पर नशेड़ियों, भिखारियों का अड्डा बन गए हैं।

महाराष्ट्र क्राईम्स
मुंबई, 05 जुलाई, 2023

माहिम में निर्माण के लिए बिल्डिंग को तोड़ना लोगों के लिए मुसीबत !

फुटपाथ भी लोगों के लिए बंद?

मुंबई : माहिम में निर्माण के लिए बिल्डिंग को तोड़ना लोगों के लिए मुसीबत का सबक क्योंकि बिना किसी सुरक्षा उपाय के बरसात में जेसीबी बुलडोजर से इमारत को ध्वस्त करते समय को सुरक्षा उपाय नही । निर्माण माहिम कैडल रोड बिल्ला बोंग स्कूल के सामने चल रहा है। सोमवार को इमारत के कुछ हिस्से पड़ोसी इमारत में गिर गए पड़ोसी इमारत मदीना मेन्शन पर हिस्से गिरने से इमारत हिलने लगी और दीवार पर लगी लोगो के पानी की मोटरें टूट गईं। लोगों को भी हो रही परेशानी फुटपाथ भी लोगों के लिए बंद कर दिया गया है. पिछले सप्ताह कैडल रोड से गुजर रही कार पर भी पत्थर गिरने से क्षतिग्रस्त हो गई थी लोगों का कहना है कि इमारत के बाकी हिस्सों पर उचित कवर होना चाहिए, कोई बड़ी घटना नहीं होनी चाहिए और फुटपाथ को भी साफ करना चाहिए क्यों कि जेसीबी बुलडोजर से इमारत को ध्वस्त करते समय फुटपाथ पर मलबा जमा हुआ है और लोगों के लिए शुरू करना चाइये ।

जीएसटी मनपा के लिए बन रही बरदान

दूसरी महानगर पालिकाओं को सहना पड़ रहा नुकसान

मनपा की कुल कमाई का एक चौथाई पैसा जी एस टी से मिल रहा...

मुंबई : जीएसटी मुंबई महानगर पालिका के लिए बरदान साबित हो रहीं है। मनपा को जीएसटी का फायदा इस लिए मिल रहा है क्योंकि केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी लागू करने के दरम्यान मुंबई मनपा राज्य में एकमेव महानगर पालिका थी जहा पर चुंगी वसूली जा रही थी। मनपा को राज्य सरकार से जीएसटी का हर माह लगभग 1 हजार 27 करोड़ से अधिक और साल भर में लगभग 12 हजार 344 करोड़ रुपया मिल रहा है। मनपा को राज्य सरकार से जीएसटी का मिलने वाला पैसा कुल कमाई का लगभग एक चौथाई है। उल्लेखनीय है कि मनपा आयुक्त इकबाल सिंह चहल ने रविवार को मनपा मुख्यालय में पत्रकार सम्मेलन लेकर मनपा के काम काज और मनपा में घोटाले के आरोपों पर खुलासा किया और यह जानकारी दी कि किस तरह मनपा बैंको में फिक्स डिपोजिट रख कर सुदृढ़ बनी हुई है। मनपा आयुक्त चहल ने जानकारी दी कि 2020 के बाद मनपा की तिजोरी पर कुछ भार जरूर पड़ा लेकिन मनपा ने बेस्ट उपक्रम को सुदृढ़ करने और एमएसआरडीसी का पिछले 5 साल का बकाया पैसा देने के कारण कुछ तिजोरी पर भार पड़ा। मनपा की कमाई का मुख्य स्रोत 2017 तक चुंगी था। केंद्र सरकार के निर्देश पर चुंगी 2017 में बंद की गई।राज्य में मुंबई मनपा एकमेव महानगर पालिका थी जहा पर चुंगी वसूल की जा रही थी। राज्य सरकार द्वारा जीएसटी लागू किए जाने के दौरान यह निर्णय लिया गया कि मुंबई मनपा को अगले 5 साल तक चुंगी की कमाई होने वाली के अनुसार हर साल बढ़ोत्तरी करते हुए चुंगी का होने वाले नुकसान का पैसा दिया जाए।मनपा को राज्य सरकार से वर्ष 2017 में सालाना 746 करोड़ रुपया मिल रहा था। मनपा को अब 5 साल बाद जीएसटी में कमाई बढ़कर 12 हजार करोड़ के करीब पहुंच गई है। चुंगी बंद होने और जीएसटी का मिल रहे नुकसान भरपाई 5 साल भी एक निश्चित दर के अनुसार मिलता रहेगा।इस तरह का निर्णय वर्ष 2017 के अधिवेशन में लिया गया था।राज्य सरकार के वर्ष 2017 में लिए गया निर्णय का फायदा मुंबई मनपा को अब मिल रहा है। जीएसटी लागू होने के 5 साल भी राज्य सरकार से मिलने वाले अनुदान से मुंबई मनपा की तिजोरी में बढ़ोत्तरी हो रही है और मनपा पर किसी तरह का बोझा नही पड़ रहा है।

शपथ की तैयारी है, देखने जा रहा हूं...

छगन भुजबल ने शरद पवार से ऐसा कहा और बन गए मंत्री

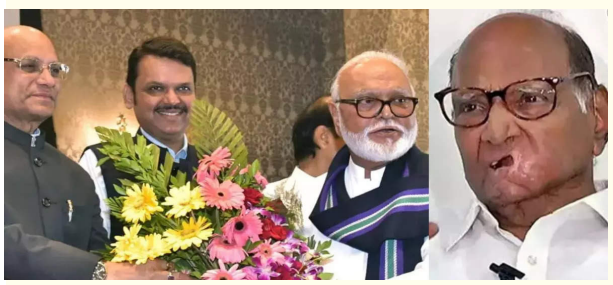

मुंबईः पिछले कुछ दिनों से बीजेपी में शामिल होने की चर्चा को लेकर संशय में चल रहे अजित पवार आखिरकार रविवार को शिंदे-फडणवीस सरकार के पास चले गए। बताया जा रहा है कि उनके साथ एनसीपी के 40 विधायक हैं। शिंदे-फडणवीस सरकार से हाथ मिलाने के बाद अजित पवार ने तुरंत उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उनके साथ आए 8 एनसीपी विधायकों ने भी मंत्री पद की शपथ ली। अजित पवार की इस हरकत से जाहिर तौर पर राजनीतिक गलियारों में बड़ा भूचाल आ गया है। हालांकि, इन सभी घटनाक्रमों के बाद शरद पवार काफी सख्त नजर आ रहे हैं। शरद पवार ने रविवार को मुंबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस की और इन सभी हालातों पर बयान दिया।

शरद पवार ने अजित पवार के साथ मंत्री पद की शपथ लेने वाले एनसीपी के 8 विधायकों समेत प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे पर भी कार्रवाई करने के संकेत दिए। उन्होंने कहा कि पार्टी के ढांचे में जो लोग हैं, उनके बारे में फैसला लेना होगा। उधर, शरद पवार ने भी कहा कि अजित पवार के साथ गए कुछ विधायक उनके संपर्क में हैं। शपथ ग्रहण समारोह में गए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के कुछ विधायकों ने मुझे बुताया। हमें यहां (राजभवन में) बुलाया गया, हमारे साइन लिए गए लेकिन हमारी भूमिका अलग है। उन्होंने कहा कि हम दो-तीन दिन में आपसे आकर मिलेंगे। इसके अलावा मेरी किसी और से बात नहीं हुई है। पवार ने कहा कि मंत्री पद की शपथ लेने वाले एनसीपी के 9 विधायकों में से केवल छगन भुजबल ने मुझसे बात की। रात के समय ऐसा लगता है कि हर कोई लोनावला में है। छगन भुजबल ने मुझसे कहा कि जो कुछ भी हो रहा है वह ठीक नहीं है। मैं वहां जाऊंगा और आपको बताऊंगा कि क्या हो रहा है। शरद पवार ने कहा कि इसके बाद छगन भुजबल ने मुझे बताया कि वह सीधे शपथ ले रहे हैं। इन सभी घटनाक्रमों के बाद जितेंद्र अव्हाड को विपक्षी दल के नेता और एनसीपी के मुख्य उपाध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया।

बॉम्बे हाई कोर्ट के सुप्रसिद्ध एडवोकेट श्री विनय कुमार दूबे नई दिल्ली में हुए "प्रधानमंत्री आत्मनिर्भर भारत सम्मान" से हुए सम्मानीत

नई दिल्ली : नई दिल्ली में प्रधानमंत्री आत्मनिर्भर भारत संगठन द्वारा सम्मान समारोह रखा गया जिसमें देश के विविध राज्यों से सम्माननीय लोगो ने उपस्थिति दर्ज करवाई, संगठन ने एडवोकेट विनय कुमार दुबे द्वारा किए गए सामाजिक कार्यों और योगदान को देखते हुए "प्रधानमंत्री आत्मनिर्भर भारत सम्मान" से सम्मानीत किया ज्ञात हो दुबेजी पिछले कई वर्षों से सामाजिक कल्याण कार्य में लगे है और हमेशा तत्पर रहते है वे भारत के कई सामाजिक कल्याण संगठनो से जुड़े हुए है और सभी में उनका परस्पर सहयोग रहता है इनमें ज्ञानोदय सेवा समिति, ब्राह्मण एकता मंच चैरिटी ट्रस्ट, गांधी विचार मंच व भारतीय संस्कृति सुरक्षा फाउंडेशन प्रमुख है हाल ही में उन्होंने वकील बिरादरी पर पोलिस द्वारा हो रहे अत्याचारों के खिलाफ प्रमुख भूमिका निभाई थी और सरकार से एडवोकेट प्रोटेक्शन बिल की माँग की थी श्री दुबे ने उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में किसानो और मजदूरो के कल्याण के लिए प्रमुख अग्रणी भूमिका निभाई है इन कार्यों को देखते हुए सरकार ने उन्हें हिन्दी सलाहकार समिति, राजभाषा, गृहमंत्रालय में सदस्य के रूप में ज़िम्मेदारी हाल ही में दी थी कार्यक्रम के इस मौके पर संघटन प्रमुख मार्गदर्शक श्री प्रेमकुमार पाण्डेजी ने दुबे जी को बधाईया दी और निरंतर सामाजिक कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए प्रयत्नशील रहने को कहा बता दें कि कार्यक्रम में भारत में डेनमार्क के राजदूत माननीय श्री फ्रेडी स्वाने जी ने उपस्थिति दर्ज कराई और उन्होंने प्रधानमंत्री जी द्वारा देश में निरंतर किए जा रहे विकास कार्यों की पुरजोर प्रशंसा की साथ ही साथ कार्यक्रम में भाजपा नेता व पूर्व राज्यमंत्री श्री रमेश चंद्र रत्न, हरियाणा महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती रेणु भाटिया और महाराष्ट्र भाजपा नेता श्री कपिलराज वर्मा ने भी उपस्थिति दर्ज कराई श्रीमती भाटिया ने माननीय प्रधानमंत्रीजी द्वारा महिलाओं के प्रति बनाये नियमों और सुविधाओं की तारीफ की और सरकार के नौ साल बेमिसाल कार्यों का उल्लेख किया श्री दुबे ने सरकार द्वारा विगत नौ वर्षों में गरीबों और दुखीयारो की मदत और कल्याण करने वाली चलाई जाने वाली योजनाओं और कार्यों का संछिप्त वर्णन किया और माननीय प्रधानमंत्री मोदीजी को सितारों के बिच चमचमाता चंद्रमा कहा और सभी को बधाइयाँ दी

बीएलएड प्रवेश परीक्षा
सोच व समझ की परख

बैचलर ऑफ एलिमेंट्री एजुकेशन में दाखिले की प्रवेश परीक्षा छात्रों की सोच व समझ की परख करता है। परीक्षा का पैटर्न कुछ ऐसा ही तैयार किया गया है कि यह काम लिखित परीक्षा से लेकर साक्षात्कार तक चलता है। एक अध्यापक बनने के लिए यह जरूरी है कि आप किसी मुद्दे के बारे में क्या सोचते हैं और किसी विषय को समझाने की कला आती है या नहीं।

लिखित परीक्षा की रूपरेखा और तैयारी

प्रवेश परीक्षा का पहला चरण लिखित परीक्षा का है। दो घंटे 20 मिनट का यह पेपर दो भागों में बंटा है। पहले भाग में अंग्रेजी और हिन्दी का कॉम्प्रीहेंशन होगा। इसमें प्रश्न और उसके बहुविकल्पी उत्तर होंगे। इसे अच्छी तरह पढ़ कर समझने के बाद सही उत्तर चुनना होगा। अगर एक बार में समझ में नहीं आए तो दोबारा ध्यान से पढ़ें और फिर नीचे दिए गये प्रश्नों का उत्तर तलाशें। कॉम्प्रीहेंशन चालीस मिनट और तीस अंक का है। कॉम्प्रीहेंशन के बाद गणितीय सोच और तार्किक ज्ञान से संबंधित प्रश्न होंगे। यह ज्यादा कठिन नहीं होता। जरूरत है इसे तार्किक आधार पर समझने की और इसके आधार पर नीचे दिए गये विभिन्न उत्तरों में सही उत्तर चुनने की। रीजनिंग की स्तरीय गाइड से प्रैक्टिस इसकी तैयारी के लिए काफी मददगार है। गणित से जुड़े प्रश्न के बारे में भी यही रणनीति अपनानी होगी। रीजनिंग और गणित से जुड़े सवाल अंग्रेजी और हिन्दी दोनों माध्यमों में रहेंगे। अगर अंग्रेजी माध्यम में सवाल समझने में दिक्कत आ रही है तो इसका हिन्दी अनुवाद देख लें। इसके विपरीत अगर कहीं हिन्दी माध्यम में सवाल समझ में नहीं आ रहा है तो उसका अंग्रेजी में रूपांतरण देख लें। दोनों प्रश्न दसवीं स्तर के ही होते हैं। इसके बाद प्रश्नपत्र में विषय ज्ञान की परख करने के लिए कई सवाल पूछे जाएंगे। इसमें छात्रों को दसवीं स्तर के विज्ञान और सामाजिक विज्ञान से जुड़े प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रश्नों के नीचे दिए गये उत्तर में से सही उत्तर का चुनाव करना होगा। इस भाग की तैयारी के लिए बेहतर होगा कि एनसीईआरटी की टेक्स्ट बुक की मदद लें। नौवीं, दसवीं की टेक्स्ट बुक इस सिलसिले में काफी मददगार होगी। अगर पूरा टेक्स्ट पढ़ना संभव नहीं है तो उसके महत्त्वपूर्ण भाग को सरसरी निगाह से जरूर देख लें। यह भाग 50 मिनट और 40 अंक का है। आखिर में दस मिनट का एक और भाग है, जिसमें छात्रों की लेखन क्षमता की परख की जाती है। किसी टॉपिक पर एक पैराग्राफ लिखने को दिया जाएगा, जैसे एकता में बल है। इस विषय में छात्रों को एक संतुलित और सटीक पैराग्राफ लिखना होगा। इस तरह के सवाल का मकसद छात्रों के लिखने की कला और अभिव्यक्ति की क्षमता की परख करना होता है।

साक्षात्कार का चरण

लिखित परीक्षा में सफल उम्मीदवारों को साक्षात्कार की तैयारी के लिए बुलाया जाता है। साक्षात्कार में आमतौर पर विशेषज्ञ विषय की बेसिक जानकारी की परख करते हैं। इसमें बोलने की क्षमता और बच्चों के बारे में और सामाजिक विषयों पर उम्मीदवार की समझ को भी देखा जाता है। शिक्षक बनने के इच्छुक छात्रों में आलोचनात्मक दृष्टि है या नहीं, सामान्य जागरूकता और पढ़ने की रुचि की परख करता है। एक सफल अध्यापक बनने के लिए ये चीजें जरूरी हैं। ऐसे में उम्मीदवार को साक्षात्कार में आत्मविश्वास का परिचय देते हुए सीधे-सीधे जवाब देना चाहिए

व्यापक है एमबीए का फोकस

एमबीए एक ऐसी योग्यता है, जो किसी भी बिजनेस के सभी प्रमुख कार्यों को जानने-समझने के लिए अभ्यर्थी का दायरा बढ़ाने की गरज से तैयार की गई है। एमबीए का फोकस व्यापक है न कि विशेषज्ञता का, इसीलिए यह उनको ध्यान में रख कर बनाया गया है, जो रणनीति तैयार करने में अपना योगदान दे सकते हैं। वे लोग सीनियर स्पेशलिस्ट भी हो सकते हैं, जो अपने योगदान को व्यापक साबित करना चाहते हैं, ताकि अगली सीढ़ी चढ़ सकें। यही कारण है कि एमबीए बनने हर फील्ड के लोग आते हैं।

बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में मास्टर्स यानी एमबीए सर्वाधिक महत्वपूर्ण और सबसे लोकप्रिय बिजनेस क्वालिफिकेशन है। लोग अपने करियर की शुरुआत में, चाहे वे किसी भी क्षेत्र के क्यों न हों, विशेषज्ञता हासिल करने की कोशिश करते हैं। अधिकांश अपनी खास भूमिका जैसे सेल्स या मार्केटिंग पर फोकस करते हैं, कुछ चार्टर्ड एकाउंटेंट जैसी पेशेवर डिग्रियों की ओर चल देते हैं। यदि वे सफल हुए तो उस एरिया के प्रतिष्ठित नाम बन जाते हैं और उनकी जिम्मेदारियां उसी के इर्द-गिर्द घूमती हैं। लेकिन एमबीए एक ऐसी व्यापक योग्यता है, जो किसी भी बिजनेस के सभी प्रमुख कार्यों को जानने-समझने के लिए अभ्यर्थी का दायरा बढ़ाने की गरज से तैयार की गई है। चूंकि एमबीए का फोकस व्यापक है न कि विशेषज्ञता का, इसीलिए यह उनको ध्यान में रख कर बनाया गया है, जो रणनीति तैयार करने में अपना योगदान दे सकते हैं। वे लोग सीनियर स्पेशलिस्ट भी हो सकते हैं, जो अपने योगदान को व्यापक साबित करना चाहते हैं, ताकि अगली सीढ़ी चढ़ सकें। यही कारण है कि एमबीए बनने हर फील्ड के लोग आते हैं। अन्य मास्टर डिग्रियों से अलग एमबीए स्नातकोत्तर योग्यता है। जरूरी नहीं कि जिसने अभी-अभी ग्रेजुएशन की है, एमबीए करने की सोचे। इसे वह बाद में भी कर सकता है। एमबीए का उद्देश्य तो यही है कि नए कौशल और ज्ञान की सहायता से कार्य अनुभव का व्यापक आधार बने, ताकि जिम्मेदारियों का दायरा बढ़ सके। एमबीए करने वाले अधिकांश वे होते हैं, जिन्होंने कुछ साल अपने करियर को दिए हैं। उन्हें किसी कार्य या भूमिका तथा किसी खास इंडस्ट्री की ठीक-ठाक जानकारी होती है, लेकिन करियर में आगे बढ़ने के लिए उनको बेहतर भविष्य नहीं दिखता, क्योंकि वे या तो एकाउंटेंट होते हैं या एचआर मैनेजर। किसी भी एमबीए प्रोग्राम में आने वाले विद्यार्थियों की पेशेवर विशेषज्ञता व जानकारी को कम करके नहीं आंका जा सकता। कई विद्यार्थियों ने इसे स्वीकार किया है कि ऐसे अनुभवी सहपाठियों से उन्हें काफी कुछ सीखने को मिलता है। वैसे भी एमबीए ने कभी यह दावा नहीं किया कि इसे पढ़ कर विद्यार्थी किसी भी संगठन के हर काम के विशेषज्ञ हो जाएंगे। इस पाठ्यक्रम में उन्हें इस बात की समुचित जानकारी दी जाती है कि वे किसी भी संगठन के विभिन्न कार्य पक्षों को ठीक-ठीक समझ सकें और सफल रणनीति बना सकें। इससे उनका आत्म-विश्वास बढ़ता है, वह भी इतना कि वे जनरल मैनेजर बन सकें तथा उनमें किसी भी ऑर्गनाइजेशन के बोर्ड में शामिल होने की भी क्षमता हो। कुछ इंडस्ट्रीज में तो एमबीए एक वांछनीय योग्यता नहीं रहा, बल्कि एक अनिवार्य योग्यता के रूप में इसे रखा जाने लगा है। परामर्श व फाइनेंस में तो कम से कम ऐसा ही है। कुछ इंडस्ट्रीज ने ऐसा भी कर दिया है कि एमबीए होना तो अनिवार्य है ही, कुछ खास स्कूलों से ही एमबीए होना स्वीकार्य है। कहने का तात्पर्य यह है कि आज कोई भी सेक्टर ऐसा नहीं है, जो एमबीए से अछूता हो। हैल्थ, चैरिटी, सिविल सर्विस, शिक्षा, विधि कहीं भी इनके बिना बात नहीं बनती। डॉट कॉम और इंटरप्रेन्योरशिप की लोकप्रियता के पीछे भी एमबीए वालों का ही हाथ है।

दिल्ली मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ग्वालियर में आज

मेला ग्राउंड पर होगी आप की जनसभा, एक लाख कार्यकर्ता होंगे शामिल

ग्वालियर। दिल्ली के मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल शनिवार को ग्वालियर में मेला ग्राउंड पर आयोजित जनसभा को संबोधित करेंगे। जनसभा में प्रदेश के अलग - अलग क्षेत्रों के 1 लाख से ज्यादा कार्यकर्ताओं के शामिल होने का दावा आप की स्टेट टीम ने किया है। आम आदमी पार्टी की स्टेट टीम के सदस्यों ने बताया कि सीएम अरविंद केजरीवाल ग्वालियर शनिवार शाम 3.15 बजे राजमाता विजयाराजे सिंधिया एयरपोर्ट पहुंचे। यहां से वह सर्किट हाउस जाएंगे। जहां पार्टी की प्रदेश अध्यक्ष एवं सिंगरौली महापौर रानी अग्रवाल सहित अन्य नेताओं से चर्चा करेंगे। पार्टी के नेताओं से मुलाकात के बाद सीएम केजरीवाल शाम 4 बजे मेला ग्राउंड पहुंचेंगे, जहां प्रदेश के अलग - अलग क्षेत्र से आए पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मप्र में पार्टी के चुनाव अभियान की शुरूआज करेंगे। सीएम

केजरीवाल शाम 5 बजे तक जनसभा में रहेंगे। जबकि शाम 5.30 बजे विमान से दिल्ली के लिए रवाना होंगे। आम आदमी पार्टी इसी साल नवंबर - दिसंबर में होने वाले मप्र के विधानसभा चुनाव में सभी 230 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। जनसभा की तैयारियों में जुटे पार्टी पदाधिकारियों का दावा है कि सीएम केजरीवाल शनिवार को होने वाली जनसभा में मप्र विधानसभा चुनाव में जीतने पर दिल्ली और पंजाब के डेवलपमेंट का फार्मूला लागू किए जाने की चुनावी घोषणा कर सकते हैं। साथ ही पार्टी के मप्र विधानसभा चुनावों में भ्रष्टाचार के मुद्दे पर चुनाव लड़ने का एलान भी जनसभा में सीएम केजरीवाल कर सकते हैं।

लंपी वायरस का संक्रमण

सागर। शहर सहित गांवों में गायों को लंपी वायरस का संक्रमण हो रहा है। बारिश में इसके और तेजी से फैलने की आशंका जताई जा रही है। यह संक्रमण दो तीन महीने पहले तक कुछ जानवरों में था लेकिन अब यह शहर सहित गांव व डेयरियों के पशुओं में देखने को मिल रहा है। यह गौशालाओं में हो जाता है तो स्थिति भयाभय होने की आशंका जताई जा रही है। पशु चिकित्सा विभाग के अफसरों का दावा है कि वैक्सीनेशन किया जा रहा है। बावजूद इसके संक्रमण रुक नहीं रहा है। चलित पशु चिकित्सा इकाई भी इन पशुओं का इलाज नहीं कर पा रही है। शहर पशुपालकों के मुताबिक शनीचरी, मकरोनिया, गोपालगंज, तिली आदि सहित शहर के सभी क्षेत्रों में लंपी वायरस के संक्रमण वाले जानवर मिल रहे हैं। पशुओ के लिए काम कर रही पशु सेवा समिति के सदस्यों ने बताया कि हर जगह लंपी वायरस से प्रभावित नए जानवर मिल रहे हैं। शहर के सभी क्षेत्रों व गांवों में वायरस का प्रकोप है।

दिग्विजय के खिलाफ मानहानि केस में सुनवाई आज

बी जे पी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा की शिकायत पर दर्ज हुआ है मामला

भोपाल। भोपाल का एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट कांग्रेस के सीनियर लीडर व राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह के खिलाफ दर्ज मानहानि मामले में शनिवार को सुनवाई करेगा। मामला साल 2014 में दिए गए दिग्विजय के एक बयान से जुड़ा है। इसमें उन्होंने बीजेपी नेता वीडी शर्मा को बिचौलिया कहा था। शर्मा के आवेदन पर कोर्ट ने 5 दिसंबर 2022 को धारा 500 के तहत दिग्विजय सिंह पर केस दर्ज किया था। आईपीसी की इस धारा में 1 से 2 साल की सजा का प्रावधान है। बीजेपी के वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कोर्ट में शिकायत दी थी कि दिग्विजय ने 4 जुलाई 2014 को इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया के सामने उन पर गंभीर आरोप लगाए थे। दिग्विजय ने कहा था कि वीडी शर्मा ब्लैकमेल के महामंत्री रहे हैं। उन्होंने व्यापमं घोटाले में बिचौलिए का काम किया है। इस बयान को आम लोगों द्वारा पढ़ा और सुना गया है। इससे उनकी छवि धूमिल हुई है। कोर्ट द्वारा दिग्विजय पर आरोप तय कर दिए गए हैं।

दुकान पर गिरी आसमानी बिजली से भारी नुकसान

पड़ाव(चन्दौली)। बीती रात आसमानी बिजली कड़क के साथ तेज मूसलाधार बारिश में स्थानीय चौराहे से पड़ाव रामनगर मार्ग स्थित बाबा स्वीट हाउस नामक दुकान पर आसमानी बिजली गिरने से जनरेटर, एसी,पंखा,कूलर फ्रिज, इनवर्टर इत्यादि सहित अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान जल गया। वही दुकान के छत पर रह रहे कारीगर बाल बाल बचे।

बाबा स्वीट हाउस के मालिक सूरज कुमार मौर्य ने बताया कि बृहस्पतिवार को रात में तेज गरज तड़क के साथ मूसलाधार बारिश हो रही थी और हम दुकान को बंद करने की तैयारी कर रहे थे। तभी अचानक आसमानी बिजली गिरने से दुकान में लगे सारे बिजली के उपकरण जल गए। आसमानी बिजली गिरने लगभग लाखो का नुकसान हुआ है ।

नवोदय विद्यालय में चयन होने पर किया सम्मानित

पीडीडीयू नगर। विकास खंड सकलडीहा के एसबी पब्लिक स्कूल चंदौली खुर्द के पांच बच्चों का चयन नवोदय विद्यालय में होने पर शुक्रवार को विद्यालय में इनको मेडल देकर सम्मानित किया गया।

नवोदय विद्यालय में कक्षा छह के प्रवेश के लिए 29 अप्रैल को सकलडीहा ब्लॉक के अभ्यर्थियों का परीक्षा सेंट जोसेफ विद्यालय चहनिया में कराया गया था। जिसका परिणाम 21 जून को घोषित होने के बाद एसबी पब्लिक स्कूल चंदौली खुर्द

के अनीश पटवा, भावेश मौर्य,स्वाति गुप्ता, ब्यूटी मौर्या ,महिमा प्रजापति बच्चों ने अपना परिचय लहराया। इसकी जानकारी होते ही शुक्रवार को विद्यालय प्रांगण में अध्यापकों द्वारा नवोदय विद्यालय में प्रवेश के लिए चयनित इन बच्चों को समारोह पूर्वक मेडल देकर सम्मानित किया गया।

इस मौके पर विद्यालय के प्रबंधक श्याम बदन यादव ने कहा कि अध्यापकों व बच्चों के मेहनत का यह प्रतिफल है। इनके उज्जवल भविष्य कि हम सभी लोग कामना करते हैं।

सम्मानित करने वालों में मुख्य रूप से राधेश्याम पाल,अर्जुन मौर्य,रविंद्र श्रीवास्तव,लक्ष्मण प्रसाद, आंचल यादव, नरोत्तम प्रसाद ,प्रभु नारायण प्रसाद, राम नवल गुप्ता, राकेश प्रजापति आदि शामिल रहे।

मेरा गांव मेरा गौरव के रूप में गांव होगा विकसित - दिव्या मित्तल

एक नई पहल पर गांवों को विकसित करने हेतु जिलाधिकारी ने राजगढ़ में प्रधानों से किया संवाद

मीरजापुर। जिलाधिकारी ने शुक्रवार को दोपहर में राजगढ़ विकास सखंड के ब्लॉक सभागार में मेरा गांव, मेरा गौरव, के गौरव पूर्ण इतिहास के स्वर्णिम भविष्य कार्यक्रम के तहत ग्राम प्रधानों से संवाद कायम कर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा किया।

जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने ग्राम प्रधानों से रूबरू होते हुए कहा कि गांव की ऐतिहासिक स्मृतियां चित्रों के माध्यम से गांव में दशार्या जाए, जिससे ग्राम की ऐतिहासिक

धरोहर के बारे में गांव के नागरिकों की पहचान बने। उन्होंने धरोहर चित्र एवं छाया महोत्सव, स्वच्छता में आस्था, स्वास्थ्य चक्र, मनोहर दृश्य, प्रेरणा गंगा, ज्ञान गंगा, भविष्य का उड़ान आदी विषयों पर ग्राम प्रधानों से मंथन कर ग्रामीण विकास को सर्वांगीण विकास की बात कही। होनहार बच्चों को आने वाले भविष्य के बारे में चिंतन कराना, गांव को स्वच्छ बनाना, महिलाओं को उनके जीवन में आने वाली समस्याओं से रूबरू कराना, उस पर जागरूक करना, आदि विषयों के संबंध में पर चर्चा कर गांव महोत्सव के रूप में एक कार्यक्रम करने पर बल दिया।

उन्होंने डीपीआरओ के माध्यम से राजगढ़ ब्लाक को विकसितत ब्लॉक बनाने के उद्देश्य से ग्राम पंचायतों को विकसित करने का संकल्प प्रधानों से लिया। इस अवसर पर डीपीआरओ डीपीआरओ अरविंद जायसवाल, एसडीएम अश्विनी सिंह, ब्लाक प्रमुख गजेंद्र प्रताप सिंह, प्रधान संघ अध्यक्ष ओमप्रकाश सिंह, इंस पटेल, गुलाब मौर्या, रविशंकर पटेल, आशीष जायसवाल, महेश प्रसाद सहित कई सभी प्रधान उपस्थित रहे।

CMYK

महाराष्ट्र क्राईम्स

मुंबई, 05 जुलाई, 2023

मुंबई में खुला राकांपा का नया दफ्तर

अलग-अलग जगहों पर बुलाई चाचा-भतीजे ने बैठक

मुंबई : महाराष्ट्र में भाजपा-शिवसेना सरकार में शामिल होने के एक दिन बाद राज्य के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने मुंबई में मंत्रालय के पास राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के नए दफ्तर का उद्घाटन किया। पवार ने पूरे राकांपा का समर्थन उनके पक्ष में होने का दावा भी किया है। अजित पवार ने मंगलवार को राकांपा के नए दफ्तर का उद्घाटन किया, उद्घाटन से पहले नए दफ्तर में तोड़-फोड़ होने की खबरें भी सामने आई। उद्घाटन के दौरान अजित पवार के साथ छगन भुजबल भी मौजूद थे। उद्घाटन के बाद अजित पवार आज कैबिनेट की बैठक में भी शामिल हुए।

अजित पवार की नेतृत्व वाली राकांपा नेता प्रफुल्ल पटेल ने सोमवार को एक सम्मेलन में लोकसभा सांसद सुनील तटकले को नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त करने की घोषणा की थी। पटेल ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, ह्यहम जयंत पटेल को उनकी जिम्मेदारियों से मुक्त करते हैं। मैं सुनील तटकले को नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त करता हूं। अब तटकले को पास पार्टी में बदलाव करने का अधिकार होगा।ह्न उन्होंने कहा कि अजित पवार को सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता चुना गया है। हम शरद पवार से अनुरोध करते हैं कि वह हमें अपना आशीर्वाद दें, क्योंकि वह हमारे गुरु हैं।

सम्मेलन में सुनील तटकले ने महाराष्ट्र में पार्टी के मजबूत करने की बात कही। उन्होंने कहा, ह्यमैंने राकांपा के प्रदेश अध्यक्ष का पद संभाल लिया है। राज्य में मैं पार्टी को मजबूत करने की कोशिश करूंगा। मैंने सभी जिला परिषद के नेताओं और विधायकों की एक बैठक बुलाई है।ह्न शरद पवार ने मुंबई में पांच जुलाई को सभी सांसदों और विधायकों की एक बैठक बुलाई है। अजित पवार ने भी उसी दिन एक अन्य जगह पर बैठक बुलाई है। अब यह देखना दिलचस्प हो गया है कि पार्टी के विधायक या सांसदों का फैसला क्या होगा।

ईडी अधिकारियो को सभी जरूरत कागजात करे उपलब्ध

मनपा अतिरिक्त आयुक्त ने बैठक लेकर अधिकारियो को दिया निर्देश

मुंबई : कोरोना काल में मुंबई मनपा द्वारा किए गए घोटाले की जांच ईडी द्वारा किया जा रहा है।ईडी कार्रवाई में पिछले दिनो हुई छान बीन और मनपा के सीपीड़ी सैंट्रल पर्चेस अधिकारियो के घर हुई छापे की कार्रवाई में कई महत्वपूर्ण कागजात अधिकारियो के हाथ लगे है। ईडी अधिकारियो की ओर से मनपा आयुक्त को एक पत्र आया है जिसमे कोरोना काल में किए गए खर्च की पूरी जानकारी मांगी गई है।किस ठेकेदार को काम दिया गया और किस तरह पैसे उन्हे दिया गया इसका लेखा जोखा मांगा है।मनपा अतिरिक्त आयुक्त पी वेलारासू गुरूवार को बकरा ईद की छुट्टी होने के बावजूद मनपा के सभी सहायक आयुक्तों अस्पताल के डीन और मनपा के सिपिडी विभाग जिसके माध्यम से कामों का ठेका दिया सभी विभाग के अधिकारियो को कागजात उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

मनपा अतिरिक्त आयुक्त पी वेलारासू द्वारा गुरूवार को बैठक लेकर ईडी अधिकारियो का सहयोग किए जाने का निर्देश दिए जाने के बाद मुंबई मनपा के सभी 24 वार्ड के अधिकारी उनके वार्ड में कोरोना काल में किए गए कामों और उस पर किए गए खर्च का लेखा जोखा बनाकर मनपा अतिरिक्त आयुक्त के पास दिया जा रहा है।मनपा के सभी 24 वार्ड के अधिकारी वार्ड स्तर पर कोरोना काल में किए गए कामों का लेखा जोखा सौप रहे है।मनपा अतिरिक्त आयुक्त सेंट्रल पर्चेस विभाग द्वारा किए गए कामों सहित वार्ड स्तर पर किए कामों का लेखा जोखा ईडी अधिकारियो को सौपेगे।

मुंबई का सट्टा चला रहे 10 गिरफ्तार, मुख्य आरोपित सहित तीन फरार...

मुंबई : गांधीनगर क्षेत्र में सट्टे के अड्डे पर क्राइम ब्रांच और गांधीनगर थाने की पुलिस ने शुक्रवार को दबिश दी। 10 लोगों को सट्टा गतिविधि संचालित करते रंगेहाथ दबोचा। इनमें धार, उज्जैन और राजस्थान के सटोरिए भी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार उन्हें लंबे समय से सूचना मिल रही थी कि कल्याण, मधुर और अन्य लाइन का सट्टा जो बांबे से संचालित किया जाता है, उसमें यहां के कुछ लोग भी सम्मिलित हैं। इसके लिए छह माह पहले भी मनोज तेली के घर दबिश दी थी, लेकिन सबूत के अभाव के कारण कार्रवाई नहीं हो पाई थी। एक सप्ताह से टीम इन पर निगरानी रख रही थी। यहां बांबे का सट्टा संचालित किया जा रहा था। मौके से पुलिस ने 30 से ज्यादा मोबाइल फोन, 19 हजार से पर्चियां, कई लोगों के मोबाइल नंबर मिले हैं।

अलग-अलग टीमों के साथ उक्त मकान पर दबिश दी तो वहां पर मकान मालिक मोहन राठी के साथ मिलकर विशाल राठौर निवासी तराना, देवीसिंह निवासी कृष्णबाग, राजेश मंडोरी निवासी तराना, शाहिद निवासी देवास, कन्हैयालाल निवासी राजस्थान, बेनीप्रसाद, दिलीप तंवर निवासी धामनोद, विकास परमार निवासी धार, जितेंद्र सेन निवासी राजस्थान, रमेश निवासी बिहार सट्टे का बड़े पैमाने पर कारोबार कर रहे थे।

संक्षिप्त समाचार

बारिश से लबालब भरी, मुंबई को पानी सप्लाई करने वाली झीलें

मुंबई : मुंबई में लगातार हो रही बारिश के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो चुका है। भले ही ये बारिश मुंबईकर के लिए परेशानी का कारण बन रहा है, लेकिन इसके बीच मुंबई वालों के लिए एक अच्छी खबर भी है। मुंबई को पानी उपलब्ध कराने वाली सात झीलें 83% भर चुकी हैं। इसका मतलब है कि उनके पास अगले 315 दिनों के लिए पानी का स्टॉक है। मानसून के अंत तक पानी की कटौती के बिना शहर को 365 दिनों के लिए पानी के भंडार की आवश्यकता होती है। मुंबई, ठाणे और नासिक जिलों में स्थित सात झीलें भातसा, ऊपरी वैतरणा, मध्य वैतरणा, तानसा, मोदक सागर, विहार और तुलसी 3800 एमएलडी पानी की आपूर्ति करती हैं। बता दें कि जून में मानसून का आगमन ना होने के कारण झीलों में केवल 14.87% पानी ही था, जिसकी वजह से निवासियों को पानी कटौती का सामना करना पड़ रहा था। बीएमसी ने एक जुलाई से मुंबई में पानी की आपूर्ति में 10 प्रतिशत की कटौती करने का फैसला किया है, क्योंकि शहर को पानी सप्लाई करने वाली झीलों में जल स्तर लगभग खत्म होने के कगार पर था। लेकिन अच्छी बारिश के कारण, जुलाई की शुरूआत में तुलसी, मोदक सागर और विहार झीलें ओवरफ्लो हो गईं। भातसा झील, जो शहर की 50% पानी की जरूरत पूरी करती है, लबालब होने से केवल 6.14 मीटर दूर है। सोमवार को पानी का भंडार 12,05,597 मिलियन लीटर था, जबकि पिछले साल 15 जुलाई को यह 12,51,102 मिलियन लीटर था। मुंबई को प्रतिदिन 4,200 मिलियन लीटर पानी (एमएलडी) की आवश्यकता होती है, जिसमें से बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) 3,800 एमएलडी पानी की आपूर्ति करता है।

महाराष्ट्र में भीषण हादसा : मुंबई–आगरा हाईवे पर 3 गाड़ियों की कंटेनर से टक्कर, 10 लोगों की मौत

मुंबई : महाराष्ट्र के धुले जिले में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। एक तेज रफ्तार कंटेनर ट्रक ने चार वाहनों को टक्कर मार दी और फिर एक राजमार्ग पर

एक होटल में जा घुसा। ट्रक से कुचलकर लगभग 10 लोगों की मौत हो गई और 20 से अधिक घायल हो गए। बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार होने के कारण ट्रक बेकाबू हो गया और होटल में जा घुसा। होटल में खाना खाने वाले लोगों की भीड़ थी, इसलिए ये बड़ा हादसा हो गया। हादसे के बाद वहां लोगों की चीख-पुकार मच गई थी। पुलिस को मामले की जानकारी दी गई।

पति बना हैवान, प्रताड़ित महिला ने की आत्महत्या

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक महिला (22) ने अपने पति द्वारा प्रताड़ित किए जाने के बाद एक खाई में कूदकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना शनिवार को हुई। महिला के पति (32) के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया गया है। दंपति की पिछले साल शादी हुई थी। वह शादी के बाद उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर से यहां भिवंडी शहर में रहने आ गए थे। नारपोली थाने के एक अधिकारी ने बताया कि पति महिला से सोने की वस्तुओं की कथित तौर पर मांग करता था और उसे प्रताड़ित करता था। इससे परेशान होकर महिला ने शनिवार को भिवंडी शहर के गुंदावली गांव में एक खाई में कूदकर आत्महत्या कर ली। महिला के हाथ पर बने ह्यटैटू से उसके परिवार ने उसकी पहचान की। उन्होंने बताया कि महिला के पिता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने सोमवार को उसके पति के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 306 (आत्महत्या के लिए उकसाना) के तहत मामला दर्ज किया। पुलिस ने बताया कि अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है।

यह समाचार पत्र मासिक महाराष्ट्र क्राईम्स मालिक, मुद्रक प्रकाशक सिराज चौधरी द्वारा राजीव प्रिंटर्स, ४९६, पंचशील नगर१, नागसेन बुद्ध मंदिर रोड नं३, तिलक नगर, चेम्बुर, मुंबई४०००८९ से मुद्रित करवा कर ८/ऐ/१६९/२७०२/टागोर नगर, विक्रोली (पू), मुंबई४०००८३ से प्रकाशित किया । RNI NO. : MAHHIN/1998/02261
संपादक सिराज चौधरी मो. ७७७७०६०६८७ www.maharashtracrimes.in / www.maharashtracrimes.blogspot.in Email : editor@maharashtracrimes.in / maharashtracrimes@gmail.com

CMYK